



# भारत का राजपत्र

# The Gazette of India

असाधारण  
EXTRAORDINARY  
भाग I—खण्ड 1  
PART I—Section 1  
प्राधिकार से प्रकाशित  
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 28]

नई दिल्ली, बृहस्पतिवार, जनवरी 17, 2019/पौष 27, 1940

No. 28]

NEW DELHI, THURSDAY, JANUARY 17, 2019/PAUSAH 27, 1940

## मानव संसाधन विकास मंत्रालय

(उच्चतर शिक्षा विभाग)

## अधिसूचना

नई दिल्ली, 4 जनवरी, 2019

**सं. 8-86-2015-एल-II.**—इस मंत्रालय की दिनांक 06 जून, 2016 की अधिसूचना सं.8-86/2015-एल.II के अधिक्रमण में, संस्कृत, अरबी और फारसी भाषाओं के विद्वानों को सम्मानित करने के लिए वर्ष 1958 में राष्ट्रपति सम्मान-प्रमाणपत्र पुरस्कार देने की योजना को संशोधित करने का निर्णय लिया गया है और इस योजना में 1996 में पाली और प्राकृत भाषाओं को शामिल किया गया था, ये पुरस्कार 60 वर्ष की आयु से ऊपर के प्रतिष्ठित विद्वानों को उनके संबंधित क्षेत्रों में उत्कृष्ट योगदान के लिए दिये जाते हैं। ये पुरस्कार युवा विद्वानों (30-45 वर्ष) को भी दिये जाते हैं जिसको बाद में **महर्षि बादरायण व्यास सम्मान पुरस्कार** नाम दिया गया है।

2. वर्ष 2016 से, यह योजना शास्त्रीय भाषाओं को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से शास्त्रीय कन्नड़, शास्त्रीय तेलुगु, शास्त्रीय मलयालम और शास्त्रीय उडिया को राष्ट्रपति पुरस्कार प्रदान करने हेतु विस्तारित की गई है। तदनुसार, यह योजना अधिकारिक राजपत्र के 2-8 जुलाई, 2016 के संस्करण में अधिसूचित की गई थी।

3. एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि पुरस्कारों के सभी पहलुओं को शामिल करते हुए व्यापक पैरामीटर निम्नलिखित हैं:-

1	पुरस्कार का नाम	संस्कृत, पाली, प्राकृत, अरबी, फारसी, शास्त्रीय तेलुगु, शास्त्रीय कन्नड़, शास्त्रीय मलयालम और शास्त्रीय उडिया विद्वानों के लिए राष्ट्रपति पुरस्कार
2(1)	निम्नलिखित भाषा विद्वानों के लिए राष्ट्रपति पुरस्कार:	प्रत्येक शास्त्रीय भाषा के लिए पुरस्कारों की संख्या:
(i)	i) शास्त्रीय तेलुगु	i) शास्त्रीय तेलुगु में भारतीय विद्वान के लिए एक जीवन-काल उपलब्धि पुरस्कार (1) ii) शास्त्रीय भाषा में जीवन-काल उपलब्धि के लिए एक अंतर्राष्ट्रीय पुरस्कार (भारतीय मूल) (1) iii) शास्त्रीय भाषा में जीवन-काल उपलब्धि के लिए एक अंतर्राष्ट्रीय पुरस्कार (गैर-भारतीय मूल) (1)

		i) शास्त्रीय कन्नड़ में भारतीय विद्वान के लिए एक जीवन-काल उपलब्धि पुरस्कार (1) ii) शास्त्रीय भाषा में जीवन-काल उपलब्धि के लिए एक अंतर्राष्ट्रीय पुरस्कार (भारतीय मूल) (1) iii) शास्त्रीय भाषा में जीवन-काल उपलब्धि के लिए एक अंतर्राष्ट्रीय पुरस्कार (गैर-भारतीय मूल) (1)
	(iii)	iii) शास्त्रीय मलयालम  i) शास्त्रीय मलयालम में भारतीय विद्वान के लिए एक जीवन-काल उपलब्धि पुरस्कार (1) ii) शास्त्रीय भाषा में जीवन-काल उपलब्धि के लिए एक अंतर्राष्ट्रीय पुरस्कार (भारतीय मूल) (1) iii) शास्त्रीय भाषा में जीवन-काल उपलब्धि के लिए एक अंतर्राष्ट्रीय पुरस्कार (गैर-भारतीय मूल) (1)
	(iv)	iv) शास्त्रीय उड़िया  i) शास्त्रीय उड़िया में भारतीय विद्वान के लिए एक जीवन-काल उपलब्धि पुरस्कार (1) ii) शास्त्रीय भाषा में जीवन-काल उपलब्धि के लिए एक अंतर्राष्ट्रीय पुरस्कार (भारतीय मूल) (1) iii) शास्त्रीय भाषा में जीवन-काल उपलब्धि के लिए एक अंतर्राष्ट्रीय पुरस्कार (गैर-भारतीय मूल) (1)
2(2)	30-45 वर्ष में उपर्युक्त शास्त्रीय भाषाओं के युवा विद्वानों के लिए <b>महर्षि बादरायण व्यास सम्मान पुरस्कार</b>  i) शास्त्रीय तेलुगू ii) शास्त्रीय कन्नड़ iii) शास्त्रीय मलयालम iv) शास्त्रीय उड़िया	i) शास्त्रीय तेलुगू में पांच युवा विद्वानों को पुरस्कार (5) ii) शास्त्रीय कन्नड़ में पांच युवा विद्वानों को पुरस्कार (5) iii) शास्त्रीय मलयालम में पांच युवा विद्वानों को पुरस्कार (5) iv) शास्त्रीय उड़िया में पांच युवा विद्वानों को पुरस्कार (5)
	पुरस्कार की अवधि	वार्षिक
2(3)	निम्नलिखित में विद्वानों के लिए राष्ट्रपति पुरस्कार  i) संस्कृत भाषा ii) फारसी भाषा iii) अरबी भाषा iv) पाली भाषा v) प्राकृत भाषा	i) (क) भारत में संस्कृत विद्वानों के लिए सम्मान प्रमाणपत्र -15 पुरस्कार (ख) भारत से बाहर संस्कृत विद्वान के लिए सम्मान प्रमाणपत्र -1 (अंतर्राष्ट्रीय पुरस्कार)  ii) फारसी भाषा में तीन विद्वानों के लिए सम्मान प्रमाणपत्र -3 पुरस्कार iii) अरबी भाषा में तीन विद्वानों के लिए सम्मान प्रमाणपत्र -3 पुरस्कार iv) पाली भाषा में एक विद्वान के लिए सम्मान प्रमाणपत्र -1 पुरस्कार v) प्राकृत भाषा में एक विद्वान के लिए सम्मान प्रमाणपत्र -1 पुरस्कार
2(4)	उपर्युक्त भाषाओं में 30-45 वर्ष के आयु वाले युवा विद्वानों को महर्षि बादरायण व्यास सम्मान  i) संस्कृत भाषा ii) फारसी भाषा iii) अरबी भाषा	i) संस्कृत भाषा में पांच युवा विद्वानों को पुरस्कार - 5 पुरस्कार ii) फारसी भाषा में एक युवा विद्वान को पुरस्कार - 1 पुरस्कार iii) अरबी भाषा में एक युवा विद्वान को पुरस्कार - 1 पुरस्कार

	iv) पाली भाषा v) प्राकृत भाषा  पुरस्कार की अवधि	iv) पाली भाषा में एक युवा विद्वान को पुरस्कार v) प्राकृत भाषा में एक युवा विद्वान को पुरस्कार  वार्षिक	- 1 पुरस्कार - 1 पुरस्कार
3	नगद राशि, ट्राफी, मैडल का विवरण	एक प्रमाणपत्र, एक शाल और एकबारगी नगद पुरस्कार निम्नलिखित हैं:  i. प्रत्येक को सम्मान पुरस्कार प्रमाणपत्र हेतु 5.00 लाख रूपये  ii. प्रत्येक को लाइफ टाइम अन्नीवरी पुरस्कार प्रत्येक हेतु 5.00 लाख रूपये (अंतर्राष्ट्रीय पुरस्कार सहित)  iii. प्रत्येक को महर्षि बादरायण व्यास सम्मान पुरस्कार हेतु 1.00 लाख रूपये	
4	नामांकन की पात्रता	संबंधित भाषाओं में विष्यात विद्वान को उनकी उपलब्धि हेतु	
5	शास्त्रीय भाषाओं, कन्नड़, तेलुगु, मलयालम और उडिया के लिए प्रस्ताव प्रस्तुति हेतु प्रक्रिया	निम्नलिखित प्रस्ताव आमंत्रित किए जाएँगे:  i. भारत सरकार के सभी सचिव ii. सभी राज्य सरकारों/संघ राज्यक्षेत्रों के मुख्य सचिव iii. सभी राज्य सरकारों/संघ राज्यक्षेत्रों के शिक्षा सचिव iv. सभी भारतीय विश्वविद्यालयों/समवत विश्वविद्यालयों के कुलपति v. सचिव, विदेश मंत्रालय (एमईए) के माध्यम से विदेश के भारतीय मिशनों के सभी प्रमुख vi. पूर्व के वर्षों के सभी पुरस्कार प्राप्तकर्ता vii. आंश्र प्रदेश, तेलंगाना, कर्नाटक, केरल और ओडिशा में राज्य विश्वविद्यालयों के सभी कुलपति	
6	पुरस्कार समिति का संरचना	मानव संसाधन विकास मंत्रालय (एमएचआरडी) द्वारा प्रतिष्ठित विद्वान/विशेषज्ञों से गठित किया जाना	
7	चयन का मापदंड	चयन समिति प्राप्त किए गए नामांकनों की जांच करेगी और माननीय प्रधानमंत्री और माननीय राष्ट्रपति के अनुमोदन हेतु अंतिम सिफारिश प्रदान करेगी।	
8	पुरस्कार का अंतिम अनुमोदन	भारत के माननीय राष्ट्रपति	
9	पुरस्कार प्रदान करने वाले गणमान्य का स्तर	मानव संसाधन विकास मंत्रालय द्वारा लिए गए निर्णय द्वारा किसी भी सम्माननीय के माध्यम से	

संजय कुमार सिन्हा, संयुक्त सचिव

### MINISTRY OF HUMAN RESOURCE DEVELOPMENT

(Department of Higher Education)

#### NOTIFICATION

New Delhi, the 4th January, 2019

**No. 8-86-2015-L.II.**—In supersession of this Ministry's notification No.8-86/2015-L.II dated 6<sup>th</sup> June, 2016, it has been decided to revise the Scheme for the **Presidential Award of Certificates of Honour** in the year 1958 to honour the scholars of Sanskrit, Arabic and Persian Languages and the same was extended to Pali and Prakrit languages in 1996 which are awarded to the scholars of eminence over 60 years of age with outstanding contribution in their respective fields. Awards are also awarded to young scholars (30-45 years) which has later been named as **Maharishi Badarayana Vyas Samman award**.

2. From the year 2016 onwards, the Scheme has been extended to provide Presidential Awards for Classical Kannada, Classical Telugu, Classical Malayalam and Classical Odia with the objective to promote classical languages. Accordingly, this Scheme was notified in July 2-8, 2016 edition of the official gazette.

3. It is hereby notified that the broad based parameters covering all aspects of awards are as follows:

1	Name of Award	<b>Presidential Award for scholars in Sanskrit, Pali, Prakrit, Arabic, Persian, Classical Telugu, Classical Kannada, Classical Malayalam and Classical Odia</b>
2(1)	Presidential Awards for scholars in:	<u>No. of Awards for each Classical language:</u> <ul style="list-style-type: none"> <li>(i) i) Classical Telugu           <ul style="list-style-type: none"> <li>i. One Lifetime achievement award for Indian Scholar in classical Telugu (1)</li> <li>ii. One international award for life time achievement in classical language (Indian origin) (1)</li> <li>iii. One international award for life time achievement in classical language (Non-Indian origin) (1)</li> </ul> </li> <li>(ii) ii) Classical Kannada           <ul style="list-style-type: none"> <li>i. One Lifetime achievement award for Indian Scholar in classical Kannada (1)</li> <li>ii. One international award for life time achievement in classical language (Indian origin) (1)</li> <li>iii. One international award for life time achievement in classical language (Non-Indian origin) (1)</li> </ul> </li> <li>(iii) iii) Classical Malayalam           <ul style="list-style-type: none"> <li>i. One Lifetime achievement award for Indian Scholar in classical Malayalam (1)</li> <li>ii. One international award for life time achievement in classical language (Indian origin) (1)</li> <li>iii. One international award for life time achievement in classical language (Non-Indian origin) (1)</li> </ul> </li> <li>(iv) iv) Classical Odia           <ul style="list-style-type: none"> <li>i) One Lifetime achievement award for Indian Scholar in classical Odiya (1)</li> <li>i. One international award for life time achievement in classical language (Indian origin) (1)</li> <li>ii. One international award for life time achievement in classical language (Non-Indian origin) (1)</li> </ul> </li> </ul>
2(2)	Maharishi Badarayan Vyas Samman Award to Young scholars in the above said classical languages in the age of 30-45 years.	<ul style="list-style-type: none"> <li>i) Classical Telugu</li> <li>ii) Classical Kannada</li> <li>iii) Classical Malayalam</li> <li>iv) Classical Odia</li> </ul> <ul style="list-style-type: none"> <li>i) Awards to five young scholars in Classical Telugu (5)</li> <li>ii) Awards to five young scholars in Classical Kannada (5)</li> <li>iii) Awards to five young scholars in Classical Malayalam (5)</li> <li>iv) Awards to five young scholars in Classical Odia (5)</li> </ul>
	Periodicity of Awards	Annual
2(3)	Presidential Awards for scholars in:	<ul style="list-style-type: none"> <li>i) Sanskrit language,</li> <li>ii) Persian language</li> <li>iii) Arabic language</li> <li>iv) Pali language</li> <li>v) Prakrit language</li> </ul> <ul style="list-style-type: none"> <li>I (a) Certificate of honour for Sanskrit scholars in India - 15 awards</li> <li>(b) Certificate of honour for Sanskrit scholar outside India: - 1 (International Award)</li> <li>ii) Certificate of honour for 3 scholars in Persian language - 3 awards</li> <li>iii) Certificate of honour for 3 scholars in Arabic language - 3 awards</li> <li>iv) Certificate of honour for 1 scholar in Pali Language - 1 award</li> <li>v) Certificate of honour for 1 scholar in Prakrit language - 1 award</li> </ul>
2(4)	Maharishi Badarayan Vyas Samman Award to Young scholars in the above said languages in the age of 30-45 years.	

	i) Sanskrit language ii) Persian language iii) Arabic language iv) Pali language v) Prakrit language	i) Awards to five young scholars in Sanskrit language - 5 awards ii) Award to one young scholar in Persian language - 1 award iii) Awards to one young scholars in Arabic language - 1 award iv) Award to one young scholar in Pali language - 1 award v) Award to one young scholar in Prakrit language - 1 award
	Periodicity of Awards	Annual
3	Details of cash, amount, trophy, medal.	A certificate, a shawl and one time cash award as given below: i. Rs. 5.00 lakh each for certificate of Honour Award ii. Rs. 5.00 lakh each for life time achievement awards (including International Awards) iii. Rs. 1.00 lakh each for Maharishi Badarayan Vyas Samman awards
4	Eligibility for nomination	Scholars of eminence in respective languages for their achievements.
5	Procedure for submission of proposal for classical languages of Kannada, Telugu, Malayalam and Odia	Proposals will be invited from the following: i. All Secretaries of Government of India ii. Chief Secretaries of all State Governmentss./Union Territories iii. Education Secretaries of all State Governments /Union Territories iv. Vice Chancellors of all Indian Universities/Deemed Universities v. All Heads of Indian Missions abroad through Secretary, Ministry of External Affairs (MEA) vi. All awardees of previous years vii. All Vice Chancellors of the State Universities in Andhra Pradesh., Telangana, Karnataka, Kerala and Odisha
6	Compositions of the award committee	To be constituted by Ministry of Human Resource Development (MHRD) with eminent scholars/experts
7	Criteria of selection	The Selection Committee will scrutinize nominations received and give final recommendations for approval of Hon'ble Prime Minister and Hon'ble President.
8	Final approval of the award	Hon'ble President of India
9	<b>Level of Presentation of award</b>	<b>Through any dignitary as decided by the Ministry of Human Resource Development.</b>

SANJAY KUMAR SINHA, Jt. Secy.